मुझे जो कहना था !

समय तो बहुत सारा है।
लेकिन किसीका,
सुनने को समय नहीं है ज्यादा,
चले जाते हैं कहके, मुझे है काम
करके हमारे दिल को तमाम
लेकिन सुनो,
कौन रोकेगा मुझे बोलने से
मेरा हिम्मत इतना है,
की किसमत हार जाएगा
इसलिए सुनो,
समय नहीं रुकता किसी केलिए
इसलिए मैं नहीं रुकुंगा तुम्हारे लिए
काल तो माल लेकर चले जाएगा
लेकिन दिल का क्या ?
प्यार तो प्यार है।
जो एकबार आएगा तो
जिंदगी पर छा जाएगा।
अगर प्यार है, सबकुछ है
वहाँ बात नहीं होगी गुण का, और न होगी दोष का

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

वही सिखे होगी बात - स्नेह और परस्पर ध्यान का
जिससे समय न होने पर भी,
समय बन जाता है।
इस दुनिया मे,
हर किसीको होता है परिशानियाँ
खुशी से पुरे करने उन कहानियाँ
चाहिए हमे प्यार का यह इंधन
जो हमे सिखाएगा,
बहुमान करने, चोडके अपमान
जिससे लोग, अपने के साथ
रखेगे ध्यान दूसरो का भी
दिलों की यह भाषा है सरल सी
जो आता है दिल के अंदर से
सिखाएगा आपको बहुत,
यह भाषा मरण तक
जो मरने के बाद भी नही जाता, आपको चोडके
यही भाषा, हमे माँ प्रकृति सिखाती है
इसलिए होता है,
प्रथम गुरु प्रकृति का संरक्षण प्रधान
जिससे होगी रक्षा मानविक मूल्यो का

इसलिए मैं बोलूंगा
और परिश्रम करूंगा
सिखाने को जनता को, की
कैसे हम,
बुराई की अंधेरा से
अच्छाई की उजाला तक पहुँचे
अगर तुमने यह माना
यह सुनने को
तो जिंदगी पर लाना
यह मूल्यों को जरूर
हमारे जिंदगी का मर्म
होता है कर्म
कर्म ही मनुष्य का निर्णय करता है।
कर्म अच्छा हो या बुरा
वो आपकि मर्जी, लेकिन
अच्छाई का रास्ता, छोटे छोटे काँटो से भरी होती है
लेकिन वह आखिर मे लेजाएगी हमे
बड़े-खुशी, सुख तक
बुराई का रास्ता छोटे-छोटे सुख भरी होती है
जो हमे लेजाएगी आखिर मे दुःख और परिशानियो तक

जब हो बड़े खूबसूरत सुख तो
क्यो चुनना छोटे-छोटे सुख को
जो आपको, दुःख के ओर लेजाएगा
मैं तो बोलूगा, लेकिन
चुनना आपको है।
जिसका गुण सबको है,
और दोष सबी केलिए है,
सोचिए और ध्यान से चुनिए
अगर हमारी छोटी-छोटी
त्याग से, करुणा से, खुशियो से
सबको खुशी मिलती तो
यह दुनियाँ कितनी खूबसूरत होती
लेकिन समय है अबी भी
देरी नहीं हुआ है अबी भी
मुझे जो कहना है,
मैं जरूर कहूँगा
और आपको जो कहना है
वह जरूर कहिएगा।
लेकिन दूसरे का भी सुनिएगा
चलिए हम, अज्ञान की अंधेरा से,

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

Item Code: 641 Participant Code: 109

ज्ञान की उजाला तक.
और बनाते हैं इस दुनिया
और ज्यादा खूबसूरत !